सामान्य निर्देश – अंतरिक्ष विज्ञान शिक्षक (Space Science Teacher)

1. शैक्षिक योग्यता :–

- ऐसे अभ्यर्थी आवेदन करने के पात्र होंगे। जो भारत के निवासी हों। आवेदन भरने से पूर्व मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से B.Sc, BCA, B.Tech, BE स्नातक की परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

या

- ऐसे अभ्यर्थी आवेदन करने के पात्र होंगे। जो भारत के निवासी हों। आवेदन भरने से पूर्व मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/बोर्ड/एन.सी.ई.आर.टी/एस.सी.ई.आर.टी से D.El.Ed, B.Ed, NTT, JBT-(Science Stream) की परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

नोट :– यदि विज्ञान व अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में प्रमाण पत्र प्राप्त किया हो तो टिक करें। (अन्यथा खाली छोड़ दें)

- ऐसे अभ्यर्थी विज्ञान व अंतरिक्ष विज्ञान के कार्य क्षेत्र में रूचि रखते हों। जिन्होंने ड्रोन, रोबॉटिक्स,एस्ट्रोनॉमी, रिमोट सेंसिंग, के क्षेत्र में कार्य किया हो या उनके द्वारा कार्यशाला ड्रोन, रोबॉटिक्स,एस्ट्रोनॉमी, रिमोट सेंसिंग आयोजित की गयी हो उन्हें वरीयता प्रदान की जायेगी। ऐसे अभ्यर्थी के लिए 20% सीटों को सुरक्षित रखा जायेगा। इन 20% सीटों में 50% पुरूष व 50% महिलाओं का चयन किया जायेगा।

2. आयु :–

- अभ्यर्थी की आयु की गणना विज्ञापन की प्रकाशन तिथि से की जायेगी। इस हेतु न्यूनतम आयु 21 वर्ष तथा अधिकतम आयु 40 वर्ष है।

आरक्षण :–

- भारत सरकार व राज्य सरकार के विधिमान आरक्षण नियमों के अनुसार आरक्षण की व्यवस्था लागू होगी।
- अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थियों की अधिकतम आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट होगी।
- भूतपूर्व सैनिकों की आयु में छूट राज्य सरकार के नियमों के अनुसार दी जायेगी।
- विकलांग अभ्यर्थियों को अधिकतम आयु सीमा में 7 वर्ष की सामान्य छूट रहेगी।

3. अधिवास :–

- अंतरिक्ष विज्ञान शिक्षक (पद) हेतु अभ्यर्थी को उसे भारत का निवासी होना अनिवार्य है।

4. आवेदन शुल्क :–

- ऑनलाइन आवेदन पत्र शुल्क हेतु अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिये आवेदन शुल्क की धनराशि 400/– तथा अन्य अभ्यर्थियों के आवेदन शुल्क 550/– होगा एवं विकलांग अभ्यर्थियों से आवेदन शुल्क 150/– लिया जायेगा। शुल्क भुगतान के बाद किसी भी परिस्थिति में वापस नही होगा।

5. मानदेय :–

- अंतरिक्ष विज्ञान शिक्षक का न्यूनतम मानदेय प्रतिमाह 22500/– देय होगा।
- अंतरिक्ष विज्ञान शिक्षक के मानदेय का भुगतान सीधे उनके बैंक खाते में भेजा जायेगा।
- अंतरिक्ष विज्ञान शिक्षक की उपस्थिति/अनुपस्थिति अवकाश के आधार पर व्यवस्था लागू होगी।

6. <u>कार्यकाल</u> :–

- विभाग के तहत अंतरिक्ष विज्ञान शिक्षक का कार्यकाल 11 माह का होगा एवं किसी भी शैक्षिक सत्र में 31 मई को स्वतः समाप्त हो जायेगा। अंतरिक्ष विज्ञान शिक्षक 31 मई तक मानदेय होगा।
- अंतरिक्ष विज्ञान शिक्षक के नवीनीकरण की कार्यवाही प्रत्येक वर्ष समाप्त होने से कम से कम एक माह पूर्व प्रारम्भ की जायेगी एवं विभाग की अनुमति से अगले शैक्षिक सत्र के लिए नवीनीकरण की कार्यवाही की जायेगी।

7. <u>अवकाश</u> :–

- अंतरिक्ष विज्ञान शिक्षक को वर्ष में अधिकतम 12 दिन का आकस्मिक अवकाश देय होगा।
- अनाधिकृत अनुपस्थित पर मानदेय देय नहीं होगा।
- चेतावनी के उपरान्त भी अनाधिकृत अनुपस्थित पाये जाने पर सेवा समाप्ति पर भी विचार किया जा सकेगा। अन्तिम निर्णय विभाग का होगा।

8. <u>प्रशिक्षण</u> :–

- खगोल विज्ञानी की तैनाती के उपरान्त अभ्यर्थियों को 1 माह के प्रशिक्षण से गुजरना होगा। प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण अवधि में किसी प्रकार का मानदेय (स्टाईपेड) देय नहीं होगा।
- उर्पयुक्त पद के लिए प्रशिक्षित होना आवश्यक है। उक्त योग्यता पूर्ण कर रहें अभ्यर्थियों को यह प्रशिक्षण **''IN-SPACE, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन –इसरो'' या भारतीय अंतरिक्ष अकादमी** द्वारा कराया जायेगा। प्रशिक्षण का व्यय इंडिया स्पेस वीक विभाग द्वारा किया जायेगा।
- प्रशिक्षण अवधि में स्पेस टीचर ट्रेनिंग, स्पेस स्किल डेवलपमेंट और खगोल विज्ञानी कार्यशाला का उन्हें विधिवत प्रशिक्षण दिया जायेगा।

9. <u>चयन प्रक्रिया :– परीक्षा और साक्षात्कार</u>

- अभ्यर्थियों को परीक्षा से गुजरना होगा। इस खण्ड में वस्तुनिष्ठ प्रकार के कुल 100 प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न 1.0 अंक का होगा। सही उत्तर के लिए +1 और गलत उत्तर के लिए –1/3 अंक काटा जायेगा। प्रश्नपत्र में सामान्य ज्ञान, गणित, विज्ञान, हिन्दी, अंग्रेजी, पर्यावरण अध्ययन, कम्प्यूटर अध्ययन, बाल विकास एवं शिक्षण के प्रश्न हिन्दी व अंग्रेजी दोनों भाषाओं में होंगे। मैरिट लिस्ट सिर्फ परीक्षा में हासिल किये गये अंकों के आधार पर तैयार की जायेगी हालांकि मैरिट लिस्ट में वही उम्मीदवार शामिल होंगे जो परीक्षा में 55 प्रतिशत अंक प्राप्त किय हों। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति अभ्यर्थियों को 5 प्रतिशत अंकों की छूट होगी। इसके उपरान्त अभ्यर्थियों का साक्षात्कार होगा।
- **परीक्षा का माध्यम** –परीक्षा का माध्यम ऑनलाइन या ऑफलाइन हो सकता है।

10. <u>अंतरिक्ष विज्ञान शिक्षक का कर्तव्य एवं दायित्व :–</u>

- अंतरिक्ष विज्ञान शिक्षक अपने शिक्षण कार्य के दायित्वों का निवर्हन सम्बन्धित इंडिया स्पेस वीक के नियंत्रण एवं मार्गदर्शन में करेंगे।
- सम्बन्धित विषय के अंतरिक्ष विज्ञान शिक्षक कक्षा 1–12 के छात्र/छात्राओं को (इंडिया स्पेस वीक) द्वारा निर्धारित अंतरिक्ष पाठ्यक्रमों एवं पाठ्य पुस्तकों के आधार पर पढ़ायेंगे।

अंतरिक्ष विज्ञान शिक्षकों की चयन प्रक्रिया सम्पन्न करने हेतु निम्नलिखित समयवद्ध कार्यक्रय निर्धारित किया जाता है।

1.	इंडिया स्पेस वीक द्वारा दी गयी विज्ञापन की तिथि से रजिस्ट्रेशन प्रारम्भ होगा।	26.10.2024
2.	(क) ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की अन्तिम तिथि (ख) ऑनलाइन आवेदन शुल्क जमा करने की अन्तिम तिथि	21.11.2024 21.11.2024
3.	लिखित परीक्षा हेतु प्रवेश पत्र (Admit Card) डाउन लोड करने की प्रारम्भ तिथि	....
4.	लिखित परीक्षा की तिथि	....